नारीलोक

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

जून 2023 अंक 299

अध्यक्षीय कार्यालय
NEELAM SETHIA
28/1 Shivaya Nagar 4th Cross
Reddiyur, Salem 636004. (TN)
9952426060
neelamsethia@gmail.com

अध्यक्षीय अनुभूति

प्रिय बहनों,

अतीत के गलियारों में झांकती हूं तो याद आते हैं बचपन के वह दिन जब स्कूली किताबों से ज्यादा कहानियां एवं अन्य साहित्य में अतिरिक्त रुचि हुआ करती थी। चाहे मौसम परीक्षा का हो या छुट्टियों का... नन्दन, चंपक, पराग, अमर चित्र कथा, ट्विंकल आदि मेरे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हुआ करते थे। जैसे–जैसे उम्र बढ़ती गई, किताबें भी बदलती चली गइ। बाल–किताबों के स्थान पर सरिता, मुक्ता, सुमन सौरभ, इंडिया टुडे, रिडर्स डाइजेस्ट आ गए। तरुणावस्था के साथ फिर किताबों ने मोड़ लिया और अलमारी भरने लगी वागर्थ, नया ज्ञानोदय, धर्मयुग, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, प्रेमचंद और शेक्सपियर की पुस्तकों से।

विद्यार्थी जीवन में किताबों से मेरी गहरी मित्रता रही। फिर वह समय आया जब यह सारे मित्र ना जानें कहां खो गए? यह वही मित्र थे जिन्होंने बचपन से तरुणावस्था तक मुझे कभी बोर नहीं होने दिया। जिन्होंने हर समस्या का समाधान दिया, जो मुझसे कभी नाराज नहीं हुए, हर सुख–दुःख में साथ देते हुए मेरे मूड को सदा खुशनुमा बनाए रखा।

फिर भी पता नहीं कब, क्यों और कैसे वक्त के बहाव में इनका साथ छूट गया? आज इस शीर्षस्थ पद का निर्वहन करते समय अनेक बार ऐसा प्रतीत होता है कि वह मित्र रूपी किताबें जरूरत पड़ने पर कभी शब्द बन कर तो कभी विचार बन कर, कभी साहस बनकर तो कभी अभिव्यक्ति बनकर मेरी मदद करने आ जाती हैं। उन किताबों ने आज तक मेरा साथ नहीं छोड़ा। कहां मिलेंगे ऐसे सच्चे साथी जो हमारे जीवन को परिष्कृत कर जीने की राह सिखाते हैं? हमारे विचारों को ठोस धरातल देते हुए हमारे भीतर उत्साह और साहस का जज्बा पैदा करते हैं।

इसके अतिरिक्त सद्साहित्य के अनेक व्यावहारिक उपयोग हैं। इस बात का अनुभव बिना पढ़े नहीं किया जा सकता।

- साहित्य पढ़ें – कल्पना और रचनात्मकता को विकसित करने के लिए।
- साहित्य पढ़ें – सृजनशील बनने के लिए।
- साहित्य पढ़ें – इतिहास जानने के लिए।
- साहित्य पढ़ें – विषम परिस्थितियों में सम रहने के लिए।
- साहित्य पढ़ें – कुरीति और रूढ़ियों को उजागर कर उन्हें नष्ट करते हुए सुदृढ़ वर्तमान की तैयारी के लिए।
- साहित्य पढ़ें – पीड़ित की व्यथा को समझने के लिए।
- साहित्य पढ़ें – अपनी संवेदनशीलता को जागृत करने के लिए।
- साहित्य पढ़ें – अपने शब्दावली को समृद्ध करने के लिए।

साहित्य अध्ययन से हम दुनिया को दूसरों की नजर से देखने में सक्षम बनते हैं। हम जितना साहित्य पढ़ते हैं, जीवन उतना ही स्नेहमयी बनता चला जाता है। दर्शन और अध्यात्म के मध्य साहित्य का स्थान आता है। अगर हमारे जीवन का पारिवारिक, सामाजिक, व्यावहारिक और आध्यात्मिक पक्ष सुदृढ़ बनता है, तो निश्चित रूप से साहित्य अध्ययन ही इसका माध्यम बनता है।

बहनों! किताबों से पुनः दोस्ती की तैयारी आपको करनी है। इसका एक रोड मेप तैयार किया जा सकता है। जैन साहित्य अध्ययन से भी जीने के दृष्टिकोण को बदला जा सकता है। जैन साहित्य में भी अनेक लघु कहानियां है जो संस्कारों से ओतःप्रोत है और हमारे जीवन को सद्यात्रा की ओर प्रेरित करती है। जैन कहानियों के अतिरिक्त सुझाव के तौर पर '21 अनमोल कहानियां' उठाइए जो दफन, नमक का दरोगा, अंशों की होली जैसी दिलचस्प कहानियों का संग्रह है, जिनके प्रेरित होकर अनेक फिल्में भी बनाई जा चुकी है।

दुनिया को महिला की नजर से देखने के लिए महिला लेखिकाओं को भी पढ़ा जा सकता है। सुझाव देना चाहूंगी अमृता प्रीतम द्वारा लिखित 'दीवारों के साये में', जो भारतीय महिलाओं की स्थिति पर आधारित है। मक्सिम गोर्की द्वारा लिखित विश्व प्रसिद्ध पुस्तक 'मां' हमारी संवेदनाओं को कभी मूर्च्छित नहीं होने देगी। वहीं महादेवी वर्मा की कविताएं हमारी सोच को, हमारे शब्दों को बहाव देती है। पद्य हो या गद्य, दोनों ही साहित्य हमारे अंतर्मन को टटोलने में, दिशा निर्धारण में सहायक बनते हैं। तभी तो कहा गया है –

अंधकार है वहां, जहां आदित्य नहीं है।
मुर्दा है वह देश जहां साहित्य नहीं है।।

बहनों! पढ़ने में रुचि जगाइए। आपसी चर्चा–परिचर्चा में साहित्य को स्थान दीजिए। विचार–विमर्श का विषय बनाइए। आज से ही संकल्पित होकर सद्साहित्य का नित्य पठन करने का प्रयास करें और स्वयं में आते बदलाव को महसूस करें। शुभम अस्तु...

स्नेहाकांक्षी

नीलम सेठिया

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

अमृत निर्झर

समय का भी सदुपयोग, दुरुपयोग व अनुपयोग तीनों हो सकते हैं। लम्बा जीवन जीने से भी ज्यादा महत्त्वपूर्ण है – जीवन कैसा जीया जाए? हमें हर दिन की समीक्षा करनी है कि आज मैंने क्या अच्छा कार्य किया या दिन को ऐसे ही बिता दिया। सूर्य ह र दिन आता है और हमारे जीवन का एक टुकड़ा साथ में ले जाता है। हम सदा समय का मूल्यांकन करते रहें और उसी अनुसार उसका उपयोग भी करते रहें।

आचार्य श्री महाश्रमणजी दीक्षा कल्याण महोत्सव

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल परिवार द्वारा

'युगप्रधान' आचार्यश्री महाश्रमणजी

के 50वें दीक्षा दिवस पर देश-विदेश की 50 लिपियों से निर्मित कलाकृति उपहृत

साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी चयन दिवस वर्षगांठ

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल परिवार द्वारा

साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी

के चयन दिवस की प्रथम वर्षगांठ पर उपहृत शुभकामनाएं

शृंखलाबद्ध मौन

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

शृंखलाबद्ध मौन में कई क्षेत्रों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज कराई है। भविष्य में भी इसी रूप में उत्साह प्रदर्शित करते हुए अन्य शाखाएं भी इस महायज्ञ में अपनी आहूति देते हुए अध्यात्म की राह में प्रशस्त होंगी, ऐसा पूर्ण विश्वास है। गत माह शृंखलाबद्ध मौन में संबद्ध होने वाली शाखाएं इस प्रकार हैं :-

अप्रैल-मई माह में शृंखलाबद्ध मौन

26 अप्रैल	रतनगढ़	15	06 मई	छापर	55	16 मई	बीजापुर	01
27 अप्रैल	भुवावल	03	07 मई	अमलनेर	01	17 मई	सिलवासा	02
28 अप्रैल	इचलकरंजी	06	08 मई	अभातेममं	01	18 मई	चास बोकारो	01
29 अप्रैल	खारूपेटिया	09	09 मई	शिमोगा	01	19 मई	रायचूर	01
30 अप्रैल	टॉलीगंज	05	10 मई	धारवाड़	02	20 मई	अभातेममं	01
01 मई	धुलेगांव माही	05	11 मई	ढेकियाजुली	01	21 मई	मानसा	01
02 मई	रत्नगिरि	01	12 मई	साकरी	01	22 मई	अभातेममं	01
03 मई	शिरपुर	09	13 मई	भुज	04	23 मई	भटिंडा	03
04 मई	बीड़	06	14 मई	डीसा	01	24 मई	उचाना मण्डी	02
05 मई	कृष्णाई	05	15 मई	कामरेज	01	25 मई	अभातेममं	01

शृंखलाबद्ध मौन में तिथि आरक्षण हेतु Google Form Link :
https://forms.gle/RmgAXfRe3sVS3oGK7 (Touch the link to open Google Form)
अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें संयोजिका श्रीमती जयंती सिंघी मो. 86906 66015

सूरत में साध्वीप्रमुखाश्रीजी के सान्निध्य में 'उदिता' प्रबुद्ध महिला सम्मेलन

आचार्यश्री महाश्रमणजी के सूरत पदार्पण पर दि. 03.05.2023 को साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के पावन सान्निध्य एवं अभातेममं के तत्त्वावधान में सूरत तेममं द्वारा 'उदिता' प्रबुद्ध महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय बहनों द्वारा मंगलाचरण से हुई। स्वागत वक्तव्य स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती राखी बैद ने दिया। ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा ने सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की।

मुख्य वक्ता डॉ. जूही पार्थ शाह ने बिल्डिंग इको कॉन्शियस एटीट्यूड पर अपने विचार प्रस्तुत किए। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए स्वस्थ समाज रचना में सूरत के प्रबुद्ध महिला समाज के योगभूत बननेपर सराहना की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने आह्वान किया कि पर्यावरण हेतु हम एक छोटा सा संकल्प भी ले लें तो इस सेमिनार की सार्थकता होगी। उक्त अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महिला मंडल द्वारा साध्वीप्रमुखाजी के चयन दिवस की वर्धापना की गई।

डॉ. बिरवा देसाई मोढ ने बैलेंसिंग द इंबैलेंस पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। सहमंत्री श्रीमती निधि सेखानी ने साध्वीवर्या श्री संबुद्धयशाजी का एवं स्थानीय मंत्री श्रीमती सीमा भोगर ने साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी का परिचय प्रस्तुत किया।

साध्वीप्रमुखाश्रीजी और साध्वीवर्याजी ने अपने पावन पाथेय द्वारा पूरे महिला समाज को कृतार्थ किया। साध्वीप्रमुखाजी ने फरमाया यदि जीवन में विकास करना है तो हमें स्वयं का ख्याल रखना होगा जिससे शारीरिक और मानसिक विकास हो सके।

सम्मेलन में ट्रस्टी, परामर्शक, पदाधिकारी, रा.का.स. एवं कॉरपोरेटर श्रीमती कैलाश बेन सोलंकी की गरिमामय उपस्थिति रही। सम्मेलन में शहर की 60 प्रबुद्ध महिलाएं, 25 एनजीओ और लगभग 650 महिलाएं उपस्थित थी।

संचालन श्रीमती पूर्णिमा गादिया एवं श्रीमती रेखा ढलावत ने किया। आभार ज्ञापन श्रीमती चंदा भोगर ने किया।

तत्त्वसंबोध

Exploring the unknown through the known

आचार्यप्रवर के संयम पर्याय के 50वें वर्ष प्रारम्भ के शुभ अवसर पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा 'आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना' के अन्तर्गत देश भर में 'तत्त्वसंबोध' प्रकल्प के तहत 50 सेन्टर खोलने की भेंट आचार्यप्रवर को उपहृत की। 'तत्त्वसंबोध' सेन्टर का शाखा मंडल के माध्यम से सुचारु संचालन हो रहा है, तदर्थ शाखा पदाधिकारियों, प्रशिक्षिकागण एवं ज्ञानार्थियों को हार्दिक साधुवाद।

सूरत में आचार्य महाश्रमण फिज़ियोथैरेपी सेन्टर का उद्घाटन

दि. 28.04.2023 को अभातेममं के निर्देशन में तेममं सूरत द्वारा आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेंटर के बैनर का अनावरण आचार्य श्री महाश्रमण जी के सान्निध्य में हुआ।

सायं 5 बजे विसु आरोग्य केंद्र सूरत में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में उद्घाटन किया गया। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, सहमंत्री श्रीमती निधि सेखानी, रा.का.स. श्रीमती शशिकला नाहर, श्रीमती जयंती सिंघी की गरिमामय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा द्वारा नमस्कार महामंत्र उच्चारण से हुआ। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती राखी बैद ने स्वागत वक्तव्य दिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया एवं ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा ने फिजियोथेरेपी सेंटर की उपयोगिता बताते हुए प्रायोजक श्रीमती बिमला जी श्रीमती निधि जी सेखानी परिवार को बहुत–बहुत साधुवाद दिया एवं तेममं सूरत के इस प्रयास की सराहना की। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने अपने विचार प्रस्तुत किए। आभार ज्ञापन स्थानीय मंत्री श्रीमती ने सीमा भोगर ने किया।

'मंजिलें... Reach the Unreached' वापी में क्षेत्रीय कार्यशाला

दि. 22.05.2023 को अभातेममं के तत्त्वावधान में श्रद्धेया साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के सान्निध्य में तेममं वापी द्वारा 'मंजिलें' कार्यशाला आयोजित की गई। महामंत्री श्रीमति मधु देरासरिया की विशिष्ट उपस्थिति में रा.का.स. श्रीमती जयंती सिंघी की गरिमामय उपस्थिति रही। नवकार मंत्र से कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। स्थानीय बहनों द्वारा मंगलाचरण, प्रेरणा गीत एवं मुस्कान बोथरा द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती करुणा वागरेचा ने सभी का स्वागत किया। श्रद्धेया साध्वीप्रमुखाश्रीजी ने बताया कि महिला घर में रीढ़ की हड्डी की तरह होती है, परिवार का सम्पूर्ण विकास उस पर निर्भर करता है। एक संस्कारी नारी का परिवार, समाज एवं विश्व में संस्कारों के निर्माण करने में महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया ने बताया कि तेरापंथ धर्म संघ में गुरुओं द्वारा प्रदत्त हमें जो विकास का मंच मिला है, वही हमारी मंजिल तय करता है। स्थानीय मंडल द्वारा निष्पादित कार्यों की सराहना की। रा.का.स. श्रीमती जयंती सिंघी ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी।

संचालन स्थानीय कोषाध्यक्ष श्रीमती एकता कच्छारा ने किया। कार्यशाला में श्रावक समाज की अच्छी गरिमामय उपस्थिति रही।

आचार्य तुलसी

२७वां महाप्रयाण दिवस

विसर्जन दिवस

परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी ने महती कृपा कर गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी महाप्रयाण दिवस (विसर्जन दिवस) गंगाशहर, बीकानेर एवं भीनासर के अलावा देश भर में आयोजन की प्राथमिकता अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को प्रदान की थी, तदर्थ गुरुदेव के प्रति अनन्त कृतज्ञता।

विसर्जन दिवस पर करणीय कार्य

आगामी 06 जून 2023 को आचार्य श्री तुलसी का 27वां महाप्रयाण दिवस 'विसर्जन दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। महिलाओं को नया मोड़ देने वाले परमाराध्य के प्रति अपने श्रद्धासुमन करने का अवसर पुनः आया है। इस सन्दर्भ में समस्त शाखा मंडल 06 जून 2023 को अधोलिखित कार्य अवश्य करें।

प्रवचन (या) मंचीय कार्यक्रम :

मंचीय कार्यक्रम संभवतः चारित्रात्माओं की पावन सन्निधि में प्रवचन के दौरान आयोजित करें। जहां सन्निधि की अनुपलब्धता हो, वहां किसी वक्ता को आमंत्रित कर मंचीय कार्यक्रम का आयोजन प्रातःकालीन समय में अवश्य करें।

मंचीय कार्यक्रम का प्रारूप :

* मंगलाचरण – तुलसी अष्टकम्
* 7–11 मिनट सामूहिक जप –
  ॐ जय ॐ जय ॐ जय गुरुदेव, मंगलकारी तुम स्वयमेव।
  ॐ जय तुलसी – तुलसी नाम, ॐ श्रीं ह्रीं अर्हं शुभ धाम।
  ॐ श्रीं ह्रीं अर्हं सुख धाम, ॐ श्रीं ह्रीं अर्हं शिव धाम।
* विसर्जन चेतना को जगाने का प्रयोग –
  * ज्योति केन्द्र पर सफेद रंग का ध्यान
  * विशुद्धि केन्द्र पर नीले रंग का ध्यान
  * संकल्पतः मेरी विसर्जन की भावना पुष्ट हो रही है।
* चारित्रात्माओं द्वारा प्रेरणा पाथेय / मुख्य वक्ता द्वारा वक्तव्य

विषय : अनासक्त चेतना का विकास – विसर्जन का प्रयास

उक्त मंचीय कार्यक्रम में संलग्न परिग्रह विसर्जन फॉर्म अवश्य वितरित कर, सलक्ष्य पूर्ण भरवाने का प्रयास करें।

बैनर का प्रारूप वेबसाइट पर उपलब्ध है।

बाह्य एवं आंतरिक परिग्रह विसर्जन

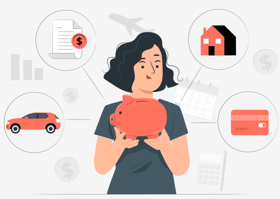

करें विसर्जन किए हुए सर्जन का

परिग्रह का विसर्जन बहुमूल्य है किन्तु सीमाकरण भी मूल्यवान है। परिग्रह की पकड़ बड़ी सूक्ष्म और गहरी होती है। हमारे भीतर छुपा हुआ आकर्षण और संग्रह का भाव भी परिग्रह का ही प्रकार है। समझपूर्वक परिग्रह की पकड़ को छोड़ कर विसर्जन के भाव को अपना कर जीवन का सच्चा आनन्द लिया जा सकता है।

अवांछित वस्तु एवं भावनाओं का सर्जन हो जाने पर उन वस्तु एवं भावनाओं का विसर्जन अपेक्षित है। 'विसर्जन दिवस' पर जानें कैसे हो वास्तविक विसर्जन और समझें जरूरत एवं इच्छा की भेदरेखा को।

आचार्य श्री तुलसी ने 'विसर्जन' के माध्यम से अपरिग्रह की ओर कदम बढ़ाने हेतु सभी को प्रेरित किया था। परिग्रह को दो भागों में विभक्त किया गया है : आंतरिक परिग्रह एवं बाह्य परिग्रह।

नीचे दी गई तालिका में धारणानुसार संकल्प लेकर गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आंतरिक एवं बाह्य परिग्रह का विसर्जन कर अपनी आध्यात्मिक चेतना का विकास करें।

परिग्रह विसर्जन संकल्प

आंतरिक परिग्रह विसर्जन (स्थूल रूप से)

आंतरिक परिग्रह	विसर्जन अवधि
क्रोध	
मान	
माया	
लोभ	
राग	
द्वेष	
ईर्ष्या	
शोक	
घृणा	

बाह्य परिग्रह विसर्जन/सीमाकरण

बाह्य परिग्रह	सीमाकरण	अवधि
क्षेत्र/जमीन		
घर/भवन		
धन		
धान्य		
Home Helpers, Staff		
पालतू जानवर		
Furniture & Accessories		
वाहन		
धातु		
सौन्दर्य प्रसाधन		

मैं धारणानुसार उपरोक्त तालिका में भरे हुए संकल्पों को स्वीकार करता/करती हूँ एवं जागरूकतापूर्वक उनकी अनुपालना करने का सलक्ष्य प्रयास करूँगा/करूँगी।

नाम :.. उम्र ....

पता .... क्षेत्र ....

पिनकोड .... मोबाइल नं. ....

संप्रसारक : अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

नारी जाति के उन्नायक : आचार्य श्री तुलसी

गणाधिपति गुरुदेव श्री तुलसी नारी जाति के उन्नायक थे। उन्होंने महिलाओं को रूढ़िवादिता की जकड़न से मुक्त किया और नारी के अस्तित्व को स्थापित किया। आचार्य श्री महाप्रज्ञजी ने भी महिला विकास को सदैव प्राथमिकता दी। वर्तमान में आचार्य श्री महाश्रमणजी भी महिलाओं के उन्नत विकास हेतु सतत् कार्यशील हैं।

आचार्य श्री तुलसी ने नारी उत्थान एवं उन्नयन हेतु विशाल स्वप्न संजोया था। उनके सपनों के नारी समाज में जब 'कन्यादान' का प्रचलन देखते हैं तो अन्तर्मन व्यथित हो जाता है।

यह एक चिन्तन का विषय है कि क्या कन्याएं कोई वस्तु है जिनका दान दिया जाए? क्या इस प्रचलन एवं शब्द के मायने सही हैं? ऐसे ही कई अनपूछे अनसुलझे प्रश्न उठते हैं जब 'कन्यादान' जैसा शब्द सामने आता है।

आचार्य श्री तुलसी ने जहां महिलाओं को इतनी सुदृढ़ता प्रदान की, उस धरातल पर इस परम्परा का औचित्य कितना सही है? क्या आधुनिक समाज में इस परम्परा को जारी रखना चाहिए? वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अधिकार एवं व्यवहार के धरातल पर 'कन्यादान' जैसी परम्परा पर आपके क्या विचार हैं?

आचार्य श्री तुलसी के महाप्रयाण दिवस पर
शाखा मंडल सायंकालीन कार्यक्रम में
भाषण प्रतियोगिता का आयोजन करें,
जिसमें विषय हो:–

'कन्यादान आखिर क्यों?'

इस भाषण प्रतियोगिता का आयोजन
सकल समाज में करें एवं प्रतियोगी के रूप में
महिला–पुरुष, कन्या–किशोर
सभी वर्गों को आमंत्रित करें।
जैन–जैनेतर समाज को भी आमंत्रित कर
इसे वृहद् स्तर पर आयोजन करें।

शाखा मंडल हेतु विशेष ध्यानार्थ

समस्त शाखा मंडल स्थानीय स्तर पर 15 जून 2023 से 15 जुलाई 2023 के मध्य अधिवेशन आयोजित कर चुनाव/मनाव सम्पन्न अवश्य कराएं। चुनाव/मनाव की प्रकिया पूर्णतया संवैधानिक हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

चुनाव / मनाव के लिए आवश्यक नियम

- साधारण सभा की रूपरेखा एक माह पूर्व कार्यसमिति की मीटिंग में निर्धारित की जाए जिसमें साधारण सभा हेतु दिनांक, स्थान, समय, एजेंडा व बजट पारित करवाया जाए। चुनाव अधिकारी की नियुक्ति कार्यसमिति की मीटिंग में ही की जाए। 500 और उससे अधिक सदस्य वाले मंडल चुनाव अधिकारी के साथ 2 सहयोगी चुनाव अधिकारी बना सकते हैं।
- आय–व्यय का ब्यौरा पहले कार्यसमिति की मीटिंग में रखा जाए बाद में ही साधारण सभा में रखा जाये।
- साधारण सभा में सदस्यों की एक तिहाई उपस्थिति अनिवार्य है। कोरम के अभाव में निश्चित समय के आधा घंटे पश्चात् स्थगित साधारण सदन प्रारम्भ किया जा सकता है। स्थगित साधारण सदन का कोरम – 1/4 सदस्यों की उपस्थिति या 51 सदस्य जो भी कम हो, वह होगा।
- साधारण सभा के लिए कम से कम 15 दिन पूर्व सभी सदस्यों को अनिवार्यतः सूचना दी जाए जिसमें बैठक की तारीख, स्थान, समय व एजेंडा का उल्लेख हो (प्रारूप रजिस्टर में उपलब्ध)। यह सूचना प्रत्येक सदस्य को निजी तौर पर पोस्ट, कोरियर, ईमेल या व्हाट्सएप्प के माध्यम से प्रेषित की जाए।
- अध्यक्ष पद के उम्मीदवार की उम्र कम से कम 35 वर्ष व अधिकतम 65 वर्ष हो सकती है।
- नामांकन पत्र में एक प्रस्तावक व पांच अनुमोदक तथा उम्मीदवार के हस्ताक्षर होना जरूरी है। (प्रारूप रजिस्टर में उपलब्ध)।
- कोई भी सदस्य एक ही उम्मीदवार का प्रस्तावक–अनुमोदक बन सकता है।
- अध्यक्ष पद हेतु किसी भी सदस्य का कार्यसमिति सदस्य के रूप में दो पूर्ण कार्यकाल का अनुभव होना जरूरी है।
- पूर्ण भरा हुआ नामांकन पत्र साधारण सदन प्रारम्भ के 24 घण्टे पूर्व चुनाव अधिकारी / मंडल कार्यालय में जमा हो जाने चाहिए।
- उम्मीदवार चुनाव से पूर्व तक अपना नाम वापस ले सकता है।
- अध्यक्षीय निर्वाचन हेतु प्रयास मनाव का ही करें। मतदान की स्थिति में चुनाव प्रणाली गुप्त तरीके से ही की जाए।
- यदि अध्यक्ष पद हेतु निर्धारित दिनांक तक किसी नाम का प्रस्ताव नहीं आया हो तो चुनाव अधिकारी चालू बैठक में अध्यक्ष पद के लिए प्रस्ताव मांग कर सर्वसम्मति अथवा बहुमत के आधार पर चुनाव करा दें। ऐसी स्थिति में भी चुनाव अधिकारी उम्मीदवार का नामांकन अवश्य भरवाए।
- मंडल के सदस्य ही साधारण सदस्य में सहभागिता दर्ज करा सकते हैं।
- चुनाव के पूर्व अध्यक्ष अपनी कार्यसमिति टीम सहित पद विसर्जन करे।
- सत्र 2023–2025 हेतु नई कार्यसमिति का गठन कर अध्यक्ष एवं मंत्री के नाम, पते एवं मोबाइल नं सहित सूचना सहमंत्री श्रीमती निधि सेखानी मो. 98796 33133 को अतिशीघ्र प्रेषित करें।

नई कार्यसमिति गठन हेतु आवश्यक नियम

- कार्यसमिति सदस्यों की संख्या साधारण सदस्यों की संख्या के अनुपात में निम्नलिखित होनी चाहिए:

साधारण सदस्य संख्या	कार्यसमिति सदस्य संख्या	परामर्शक संख्या	संरक्षिका संख्या	
13 से 24 सदस्य	5 (अध्यक्ष के अलावा)	0	अधिकतम 1	न्यूनतम 1
25 से 50 सदस्य	7 (अध्यक्ष के अलावा)	1	अधिकतम 2	न्यूनतम 1
51 से 100 सदस्य	11 से 13 (अध्यक्ष के अलावा)	2	अधिकतम 3	न्यूनतम 1
101 से 200 सदस्य	15 से 17 (अध्यक्ष के अलावा)	2	अधिकतम 3	न्यूनतम 1
201 से 300 सदस्य	21 (अध्यक्ष के अलावा)	3	अधिकतम 3	न्यूनतम 2
301 से 500 सदस्य	25 से 31 (अध्यक्ष के अलावा)	3	अधिकतम 4	न्यूनतम 2
501 से अधिक सदस्य	41 (अध्यक्ष के अलावा)	4	अधिकतम 5	न्यूनतम 3
1001 से अधिक सदस्य	51 (अध्यक्ष के अलावा)	5	अधिकतम 7	न्यूनतम 3

- उपाध्यक्ष / मंत्री को कार्यसमिति में एक कार्यकाल का अनुभव होना आवश्यक है।
- कार्यसमिति का गठन साधारण सदन के एक माह के भीतर हो जाना चाहिए।
- निवर्तमान अध्यक्ष एवं निवर्तमान मंत्री को नई कार्यसमिति में अनिवार्य रूप से शामिल करें।
- कार्यसमिति में एक तिहाई पुराने सदस्यों का होना अनिवार्य है।
- प्रत्येक तीन माह बाद कोषाध्यक्ष कार्यसमिति बैठक में आय–व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत करे।
- कार्यसमिति के अलावा अन्य गठित विभागों को कार्यसमिति कोरम में नहीं माना जाएगा।
- गठित विभाग के सदस्य एवं विशेष आमंत्रित सदस्य को हर कार्यसमिति मीटिंग में आमंत्रित करना आवश्यक नहीं है।
- परामर्शक की उम्र कम से कम 65 व अधिकतम 80 वर्ष हो सकती है।
- संरक्षक की उम्र कम से कम 70 वर्ष की होनी चाहिए।
- स्थानीय मंडल में यदि कोई पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य वर्ष भर की बैठकों में बिना सूचना दिए 2/3 बैठकों में अनुपस्थित रहता है तो उसका स्थान स्वत: रिक्त माना जाएगा।
- शाखा मंडल के विधान में मूल निवास तथा प्रवास यानि (दूसरे) क्षेत्र के शाखा मंडल के अलावा किसी अन्य तीसरे शाखा मंडल की सदस्यता लेने पर दूसरे क्षेत्र के मंडल की सदस्यता स्वत: निरस्त हो जाएगी।
- यदि कोई वार्षिक सदस्य वार्षिक शुल्क जमा न करवाए तो उसकी सदस्यता स्वत: निरस्त हो जाएगी।

दायित्व ग्रहण - शपथ

- मैं .... देव गुरु धर्म को साक्षी मानकर शपथ लेती हूं कि मैं .... (पद का नाम) की गरिमा व गोपनीयता को बनाये रखूंगी।
- मैं संघ व संघपति के प्रति पूर्ण समर्पित रहूंगी।
- मैं मंडल की गति–प्रगति के लिए सदैव जागरूक एवं सहयोगी रहूंगी।
- मैं मंडल के सदस्यों के प्रति अपनत्व व सौहार्दपूर्ण व्यवहार रखूंगी।
- मैं पूर्ण निष्ठा से अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करूंगी।
- मैं प्रतिदिन कम से कम 15 मिनट आध्यात्मिक प्रवृत्ति करूंगी।
- मैं प्रत्येक शनिवार सायं 7 से 8 बजे के मध्य शनिवारीय सामायिक यथासंभव करूंगी।

उपरोक्त शपथ निवर्तमान अध्यक्ष द्वारा ही
नए अध्यक्ष को दिलाई जाए।

काव्यामृतम्
काव्यशाला

गत माह अनेक प्रविष्टयां प्राप्त हुई। मई माह में 'मदर्स डे' पर काव्यशाला की थीम प्रदान की गई थी। माँ के प्रति आपके सुन्दर शब्द चयन एवं सार्थक श्रम बेहद अनुमोदनीय है। आप सबकी सृजन क्षमता को साधुवाद। इस क्षमता का विकास निरंतर करना है और अपनी लेखनी को और अधिक समृद्ध बनाने का प्रयास करते रहना है।

'माँ – ममता की पवित्र प्रतिमूर्ति' थीम पर चयनित कविता

मां की ममता ही बच्चे के,जीवन का पहला अध्याय है।
मां ममता की प्रतिमूर्ति, मां ममता का पर्याय है।।
सर्वस्व निछावर को तत्पर,मां की ममता ही रहती है।
रात रात भर जाग जाग कर, बच्चों का पालन करती है।।
है स्नेहा भरा निज संतान पर, दूजे भी उतने ही प्यारे हैं।
मां ममता की पवित्र प्रतिमूर्ति, सब बच्चे आंखों के तारे हैं।।
ममतामयी मां की सहनशीलता और क्षमा का कोई जोड़ नहीं।
मां की ममता मे ताकत इतनी, इस जहां में इसका तोड़ नहीं।।
मां की ममता के भाव अनोखे, असीमित शब्द भी कम है।
जो विपदा आए बच्चों पर, तो मां की आंखें पहले ही नम है।।
मां बच्चों की गुरु भी है, तो सबसे अच्छी दोस्त वही।
मां की ममता की छांव मिले, इससे बढ़कर वरदान नहीं।।
निश्चल निर्मल नदी सी शीतल और पावन मां की ममता।
कैसे कर पाए शब्दों में वर्णन क्या बतलाए मां की क्षमता।।
मां सर्वस्व समर्पित है तुम पर , तुमसे ही है जीवन मेरा।
मां ममता की पवित्र प्रतिमूर्ति ,मन सागर से भी है गहरा।।

प्रेमलता सुराना, कोलकाता

आगामी माह के लिए 'थीम' प्रदान की जा रही है। 'थीम' पर आधारित अपने नवीन विचारों सहित काव्य सृजन करें।

थीम: 'कन्यादान' आखिर क्यों?

- काव्यामृतम् काव्यशाला फेसबुक ग्रुप पर आप स्वयं पोस्ट कर सकते हैं।
- चयनित काव्य को अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।
- उपरोक्त थीम पर 20 जून 2023 तक प्राप्त प्रविष्टियां ही मान्य होगी।
- कविता अधिकतम 16 पंक्तियों की ही मान्य होगी।

काव्यामृतम् काव्यशाला का फेसबुक ग्रुप है :–
www.facebook.com/groups/418110360344800/

कन्या मंडल

राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन
23-24-25 जुलाई 2023 - मुम्बई में

आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन 23-24-25 जुलाई 2023 को मुंबई में समायोजित है। अपने जीवन के उच्च निर्माण में एक कदम और आगे बढ़ें, इसी शुभ भावना के साथ अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल तेरापंथी कन्याओं को कन्या अधिवेशन में आमंत्रित करता है। अधिवेशन में अधिकाधिक संख्या में संभागी बन इसे ऐतिहासिक बनाएं।

कन्या अधिवेशन हेतु ध्यातव्य बिन्दु

* बड़े क्षेत्रों से अधिकतम 5 एवं छोटे क्षेत्रों से अधिकतम 3 कन्याएं ही भाग ले सकती है।
* प्रत्येक क्षेत्र से कन्या मंडल प्रभारी भी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

संभागियों हेतु ध्यानार्थ

01. अधिवेशन हेतु पंजीकरण 23 जुलाई 2023 प्रातः 10 बजे से प्रारम्भ होगा।
02. शुल्क प्रति संभागी : ₹ 1100
03. अपना मान्यता पत्र अवश्य साथ लेकर पधारें।
04. अधिवेशन संभागी अपना पूर्ण विवरण गूगल फॉर्म https://forms.gle/gRE7FNzs8aN1ooZ87 पर प्रेषित करें।
05. प्रत्येक कन्या शाखा मंडल के साथ शाखा कन्या प्रभारी की उपस्थिति अनिवार्य है।
06. सम्पूर्ण अधिवेशन में कन्याओं को कन्या मंडल की यूनिफॉर्म में तथा कन्या मंडल प्रभारी को महिला मंडल के यूनिफॉर्म में रहना अनिवार्य है।
07. ओढ़ने-बिछाने का सामान एवं सामायिक उपकरण साथ लेकर पधारें।
08. 25 जुलाई 2023 को मध्यान्ह 12 बजे पश्चात् मुंबई प्रवास स्थल से अपने प्रस्थान का कार्यक्रम सुनिश्चित करें।

अन्य जानकारी हेतु सम्पर्क करें :
कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी
मो. 98100 11500

NURTURING FUTURE LEADERS
(Zoom Workshop)
जून-जुलाई माह की कार्यशाला

सेलम कन्या मंडल
शनिवार, दि. 17 जून 2023
सायं 8.10 से 9.40 बजे तक
विषय - Stock Market
by Shri Sandeep Jain

नोएडा कन्या मंडल
रविवार, दि. 09 जुलाई 2023 को
प्रातः 11 से मध्यान्ह 12.30 बजे तक
विषय - Earth Sheroes

श्रुतोत्सव दीक्षान्त समारोह

परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर की पावन सन्निधि में मुम्बई में 26 जुलाई 2023 को प्रवचन के तुरन्त पश्चात् प्रातःकालीन कार्यक्रम में तत्त्वज्ञान / तेरापंथ दर्शन में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों हेतु श्रुतोत्सव दीक्षान्त समारोह समायोजित है।

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें
निर्देशक श्रीमती पुष्पा बैंगानी मो. 9311250290
या राष्ट्रीय संयोजिका
श्रीमती मंजू भूतोड़िया मो. 9312173434

तत्त्वज्ञान शिविर/परीक्षाएं

पूज्यप्रवर आचार्य श्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा तत्त्वज्ञान का शिविर एवं परीक्षा मुंबई में 5-6 अक्टूबर 2023 को समायोजित है।

संभागी 5 अक्टूबर 2023 को प्रातः 11 बजे तक पहुंचने एवं 6 अक्टूबर 2023 को प्रवचन पश्चात् प्रस्थान का लक्ष्य रखें। अधिक जानकारी हेतु संपर्क सूत्र

श्रीमती पुष्पा बैंगानी मो. 9311250290
श्रीमती मंजू भूतोड़िया मो. 9312173434

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत
तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन 2022 परीक्षा परिणाम

ज्ञान आत्मप्रगति का सोपान है। ज्ञान प्राप्ति के लिए स्वाध्याय का दीप जलाना आवश्यक है। सम्यकज्ञान, सम्यकदर्शन आत्मविकास के लिए और हमारे अंतिम लक्ष्य मोक्ष प्राप्ति के लिए आवश्यक है।

- तत्त्वज्ञान/तेरापंथदर्शन परीक्षा के लिए 89 परीक्षा केंद्रों से कुल 1283 फॉर्म भरे गए।
- 17 व 20 दिसम्बर 2022 को 602 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी।
- परीक्षा परिणाम 94% रहा।
- सन् 2022 में तत्त्वज्ञान पाठ्यक्रम के अंतर्गत 65 तत्त्वप्रचेता व 8 तेरापंथ प्रचेता बने।
- सभी उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को अभातेममं की ओर से ढेरों बधाईयां।
- 41 चारित्रात्माओं ने अगस्त व दिसम्बर में तत्त्वज्ञान व तेरापंथदर्शन की परीक्षा दी। 4 चारित्रात्माएं तत्त्वप्रचेता बने।

ध्यानार्थ

- परीक्षा परिणाम, मार्कशीट व फार्म सभी परीक्षा केंद्रों को भेजे जा चुके हैं।
- द्वितीय वर्ष तथा उससे ऊपर की कक्षा के परीक्षार्थी फॉर्म के साथ में मार्कशीट की फोटोकॉपी अवश्य संलग्न करें। सही तरीके से भरा हुआ फार्म ही मान्य होगा।
- तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन के प्रति फार्म के 200/ प्रवेश शुल्क राशि अभातेममं पंजाब नेशनल बैंक के एकाउण्ट नं. 10272010000350 में डलवा कर बैंक स्लिप की फोटोकॉपी साथ में अवश्य संलग्न करें। प्रवेश शुल्क जमा होने पर ही फार्म मान्य होगा।
- परीक्षा केंद्र के लिए कम से कम 8 परीक्षार्थियों के फॉर्म भेजना आवश्यक है। अन्यथा मान्य नहीं होंगे।
- फॉर्म भेजने की अंतिम तारीख 30 जुलाई 2023 है।
- पुस्तकों की आवश्यकता होने पर रोहिणी कार्यालय प्रभारी सुनील मो. 7733888138 से संपर्क करें।
- चारित्रात्माओं की तत्त्वज्ञान की परीक्षा 19 अगस्त व 22 अगस्त 2023 को होगी।
- तत्त्वविज्ञ की परीक्षा भी 19 अगस्त व 22 अगस्त 2023 को है।

फार्म भेजने का पता :–

Manju Bhutoria, D68, 2nd Floor, Kirti Nagar, New Delhi 110015.

तत्त्वज्ञान 2022 प्रथम वर्ष परीक्षा वरीयता – चारित्रात्माओं/समणीजी द्वारा

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
साध्वी दक्षप्रभाजी	MS207	2022	99.50	96.50	196.00	प्रथम
साध्वी हेमन्तप्रभाजी	MS208	2022	98.50	87.50	186.00	द्वितीय
साध्वी पवनयशाजी	MS209	2022	75.00	68.00	143.00	तृतीय

तत्त्वज्ञान 2022 द्वितीय वर्ष परीक्षा वरीयता – चारित्रात्माओं/समणीजी द्वारा

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
साध्वी रम्यप्रभाजी	MS152	2015	97.50	82.50	180.00	प्रथम
साध्वी श्रुतिप्रभाजी	MS202	2021	84.50	85.50	170.00	द्वितीय
साध्वी परमार्थप्रभाजी	MS201	2021	91.50	62.50	154.00	तृतीय

तत्त्वज्ञान 2022 तृतीय वर्ष परीक्षा वरीयता – चारित्रात्माओं/समणीजी द्वारा

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
साध्वी विज्ञप्रभाजी	MS203	2021	100.00	98.00	198.00	प्रथम
साध्वी भावितयशाजी	MS175	2018	97.50	93.50	191.00	द्वितीय
साध्वी जिनयशाजी	065	2009	94.00	89.00	183.00	तृतीय

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन परीक्षाएं 2022 परिणाम

तत्त्वज्ञान 2022 चतुर्थ वर्ष परीक्षा वरीयता – चारित्रात्माओं/समणीजी द्वारा

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
साध्वी विज्ञप्रभाजी	MS203	2021	98.00	90.00	188.00	प्रथम
साध्वी दर्शितप्रभाजी	7851	2018	99.50	87.50	187.00	द्वितीय
साध्वी प्रसिद्धिप्रभाजी	1101	2007	93.00	88.00	181.00	तृतीय

तत्त्वज्ञान 2022 पंचम वर्ष परीक्षा वरीयता – चारित्रात्माओं/समणीजी द्वारा

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
साध्वी नैतिकप्रभाजी	MS178	2018	94.50	95.50	190.00	प्रथम
साध्वी आलोकप्रभाजी	6455	2016	89.50	96.50	186.00	द्वितीय
साध्वी सार्थकप्रभाजी			89.50	91.50	181.00	तृतीय

तत्त्वज्ञान 2022 षष्टम वर्ष परीक्षा वरीयता – चारित्रात्माओं/समणीजी द्वारा

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
साध्वी मननीयप्रभाजी	6586	2016	98.50	98.50	197.00	प्रथम
साध्वी संस्कृतिप्रभाजी	6590	2016	98.50	97.50	196.00	द्वितीय
साध्वी अनन्यप्रभाजी	6582	2016	84.50	77.50	162.00	तृतीय

तेरापंथ दर्शन 2022 प्रथम वर्ष परीक्षा वरीयता – चारित्रात्माओं/समणीजी द्वारा

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
साध्वी रोहिणीप्रभाजी	MSD110	2022	82.50	68.50	151.00	प्रथम
साध्वी नीतिप्रभाजी	MSD111	2022	79.00	48.00	127.00	द्वितीय

तेरापंथ दर्शन 2022 द्वितीय वर्ष परीक्षा वरीयता – चारित्रात्माओं/समणीजी द्वारा

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
साध्वी कमनीयप्रभाजी	MSD206	2021	77.50	75.50	153.00	प्रथम

तेरापंथ दर्शन 2022 तृतीय वर्ष परीक्षा वरीयता – चारित्रात्माओं/समणीजी द्वारा

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
साध्वी यशस्वीप्रभाजी	MSD200	2020	73.50	73.50	147.00	प्रथम

तेरापंथ दर्शन 2022 चतुर्थ वर्ष परीक्षा वरीयता – चारित्रात्माओं/समणीजी द्वारा

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
साध्वी नवीनप्रभाजी	MSD196	2019	70.00	63.00	133.00	प्रथम

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन परीक्षाएं 2022 परिणाम

तत्त्वज्ञान 2022 प्रथम वर्ष परीक्षा वरीयता

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	परीक्षा केन्द्र	रोल नं.	P1	P2	कुल अंक	वरीयता
वर्षा बैद	10175	2022	विजयनगर बेंगलुरु	970	100	100	200	प्रथम
चैताली जी. देरासरिया	9692	2022	अहमदाबाद	4	99.5	99.5	199	द्वितीय
करुणा लुंकड़	10032	2022	बालोतरा	692	99.5	99.5	199	द्वितीय
आयुषी गोखरू	9829	2022	भीलवाड़ा	360	98	100	198	तृतीय
वर्षा सांड	9928	2022	कालू	522	98	100	198	तृतीय
रमिला वी. बड़ाला	9978	2022	ठाणे	606	99.5	98.5	198	तृतीय
संगीता पटावरी	10266	2022	अगरतल्ला	1194	100	98	198	तृतीय

तत्त्वज्ञान 2022 द्वितीय वर्ष परीक्षा वरीयता

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	परीक्षा केन्द्र	रोल नं.	P1	P2	कुल अंक	वरीयता
रचना हिरण	9646	2021	डूंगरी	1154	100	98	198	प्रथम
अनिता गादिया	9415	2021	चिकमगलूर	388	99.5	97.5	197	द्वितीय
निर्मला छाजेड़	7494	2017	जलगांव	752	97	100	197	द्वितीय
मंजु सांखला	9274	2021	अहमदाबाद	29	99	97	196	तृतीय

तत्त्वज्ञान 2022 तृतीय वर्ष परीक्षा वरीयता

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	परीक्षा केन्द्र	रोल नं.	P1	P2	कुल अंक	वरीयता
शशि जैन	9205	2020	गुरुग्राम	1132	99.5	98.5	198	प्रथम
अल्का सेठिया	9195	2020	गुरुग्राम	1129	98	99	197	द्वितीय
हेमश्री भंसाली	9221	2020	राउरकेला	1140	99.5	97.5	197	द्वितीय
कविता डागा	9224	2020	राउरकेला	1141	97.5	99.5	197	द्वितीय
ममता सालेचा	8590	2020	बालोतरा	707	98	98	196	तृतीय

तत्त्वज्ञान 2022 चतुर्थ वर्ष परीक्षा वरीयता

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	परीक्षा केन्द्र	रोल नं.	P1	P2	कुल अंक	वरीयता
वनीता बोथरा	8399	2019	सूरत	292	99	99	198	प्रथम
कुसुम बैद	8774	2019	नोएडा	1120	99.5	98.5	198	प्रथम
अनुपम गुप्ता	8704	2019	पूर्वांचल कोलकाता	1015	98	98	196	द्वितीय
वन्दना भंसाली	8751	2019	राजराजेश्वरी नगर बेंगलुरु	1095	98	98	196	द्वितीय
संप्रति दूगड़	8466	2019	उदयपुर	465	97.5	97.5	195	तृतीय

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत
तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन परीक्षाएं 2022 परिणाम

तत्त्वज्ञान 2022 पंचम वर्ष परीक्षा वरीयता

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	परीक्षा केन्द्र	रोल नं.	P1	P2	कुल अंक	वरीयता
विनीता सुराणा	8252	2018	विजयनगरम	1114	95.5	97.5	193	प्रथम
सविता सकलेचा	5706	2015	बेंगलुरु	84	95.5	96.5	192	द्वितीय
संजना चोपड़ा	7614	2017	हिरियूर	947	94.5	97.5	192	द्वितीय
अनिता बोथरा	8244	2018	विजयनगरम	1111	92.5	94.5	187	तृतीय

तत्त्वज्ञान 2022 षष्टम वर्ष परीक्षा वरीयता

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	परीक्षा केन्द्र	रोल नं.	P1	P2	WR	VIVA	कुल अंक	वरीयता
राखी डागा	7161	2017	चेन्नई	135	99.5	99.5	49	49	297	प्रथम
रंजना दूगड़	7381	2017	औरंगाबाद	497	98.5	97.5	49	49	294	द्वितीय
रेखा बाफणा	7162	2017	चेन्नई	136	95.5	96.5	47	50	289	तृतीय
रेणु बांठिया	7313	2017	सूरत	303	98	98	47	46	289	तृतीय
अनिला छाजेड़	6453	2016	साउथ हावड़ा	1057	94.5	97	47.5	50	289	तृतीय

तेरापंथ दर्शन 2022 प्रथम वर्ष परीक्षा वरीयता

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	परीक्षा केन्द्र	रोल नं.	P1	P2	कुल अंक	वरीयता
चेष्टा सुराणा	9911	2022	औरंगाबाद	495	86.5	93.5	180	प्रथम
अनिषा कोठारी	9780	2022	कांदिवली मुंबई	238	71.5	83.5	155	द्वितीय
पुखराज बांठिया	9935	2022	पीलीबंगा	530	72	74	146	तृतीय

तेरापंथ दर्शन 2022 द्वितीय वर्ष परीक्षा वरीयता

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	परीक्षा केन्द्र	रोल नं.	P1	P2	कुल अंक	वरीयता
संगीता चोरड़िया	6609	2016	भीलवाड़ा	369	77.5	86.5	164	प्रथम
हेमा दूगड़	9622	2021	पूर्वांचल कोलकाता	1011	87.5	72.5	160	द्वितीय
बबीता तातेड़	9621	2021	पूर्वांचल कोलकाता	1010	82.5	70.5	153	तृतीय

तेरापंथ दर्शन 2022 तृतीय वर्ष परीक्षा वरीयता

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	परीक्षा केन्द्र	रोल नं.	P1	P2	कुल अंक	वरीयता
इन्दिरा धींग	8654	2019	भायंदर मुंबई	838	67.5	80.5	148	प्रथम
स्नेहलता पुगलिया	8242	2018	टॉलीगंज	1106	67	70	137	द्वितीय
मंजुला सांड	3170	2011	कालू	523	60.5	68.5	129	तृतीय

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत तत्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन परीक्षाएं 2022 परिणाम

तेरापंथ दर्शन 2022 चतुर्थ वर्ष परीक्षा वरीयता

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	परीक्षा केन्द्र	रोल नं.	P1	P2	कुल अंक	वरीयता
सपना डागलिया	8548	2019	ठाणे	614	79.5	91.5	171	प्रथम
मधु दूगड़	7266	2017	सिलचर	253	79.5	77.5	157	द्वितीय
शिल्पा बडाला	8649	2019	घाटकोपर मुंबई	826	74.5	80.5	155	तृतीय

तेरापंथ दर्शन 2022 पंचम वर्ष परीक्षा वरीयता

नाम	पंजीकरण नं.	वर्ष	परीक्षा केन्द्र	रोल नं.	P1	P2	WR	VIVA	कुल अंक	वरीयता
संतोष भंसाली	7328	2017	सूरत	297	81.5	84.5	45	48	259	प्रथम
डॉ. पुखराज सेठिया	7813	2018	साउथ कोलकाता	217	77.5	85.5	44	45	252	द्वितीय
डॉ. राजकुमारी सुराणा	7256	2017	साउथ कोलकाता	218	80.5	75.5	36	40	232	तृतीय

सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार 2023

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा प्रति वर्ष वार्षिक महिला अधिवेशन में एक महिला और एक कन्या को सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। यह पुरस्कार तेरापंथ धर्मसंघ की प्रतिभा सम्पन्न एक महिला एवं एक कन्या को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार के अन्तर्गत ₹51,000 की राशि तथा एक प्रशस्ति पत्र सम्मानित व्यक्ति को प्रदान किया जाता है। समस्त शाखा मंडलों से निवेदन है कि अपने क्षेत्र से इस पुरस्कार हेतु प्रविष्टियां भेजें। इसके लिए समस्त शाखाएं अपनी जागरूकता का परिचय दे। अन्तिम निर्णय चयन समिति द्वारा किया जाएगा।

पुरस्कार हेतु अर्हताएं

- कला, शिक्षा, विज्ञान, सेवा, साहित्य आदि के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाली महिला/कन्या हो।
- चरित्रनिष्ठ एवं संघनिष्ठ मनोवृत्ति हो।

पुरस्कार प्रविष्टि हेतु शाखाओं के ध्यानार्थ

- प्रत्येक शाखा एक महिला और एक कन्या का नाम ही इस पुरस्कार हेतु प्रस्तावित कर सकता है।
- आपकी शाखा द्वारा प्रस्तावित महिला एवं कन्या के प्रस्ताव को उन व्यक्ति की फोटो सहित सम्पूर्ण परिचय (बॉयोडाटा) शाखा मंडल के अध्यक्ष/मंत्री अपने शाखा के letterhead पर लिखित में भेजें। इस प्रस्ताव में अध्यक्ष एवं मंत्री सहित अन्य तीन पदाधिकारियों के हस्ताक्षर भी अनिवार्य रूप से होने चाहिए।
- प्रविष्टि भेजने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2023 रहेगी। बाद में प्राप्त प्रविष्टियां स्वीकृत नहीं की जाएगी।
- प्रविष्टियां सेलम स्थित अध्यक्षीय कार्यालय ही भेजें।
- शाखा उन्हीं महिला/कन्या की प्रविष्टियां भेजें जो 9 अक्टूबर 2023 को मुंबई में आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में उपस्थित होकर यह पुरस्कार स्वीकार कर सके।

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी

जून 2023

सन्दर्भ पुस्तक : 'शासन माता' द्वारा रचित 'गणं सरणं गच्छामि' (चौथा अध्याय)

एक शब्द में उत्तर दें

1. आचार्य भिक्षु ने केलवा की अन्धेरी ओरी में क्या पाया?
2. वामनावतार ने कितने पगों में पूरी धरती माप ली?
3. आचार्य भिक्षु ने कौन से शास्त्र का अध्ययन नहीं किया था?
4. आचार्य भिक्षु की कौन सी संपदा बहुत विस्तृत थी?
5. जिस डाल पर बैठना, उसी को काटने का प्रयास करना, किसका लक्षण हैं?
6. आचार्य भिक्षु के व्यक्तित्व में कौन से गुण स्वाभाविक रूप में विकसित थे?
7. आचार्य भिक्षु के पास किसका बल था ?
8. फत्तूजी आदि पांच साध्वियों से आचार्य भिक्षु ने कहा – तुम्हें वस्त्र की जरूरत हो तो ले लो, यह कौनसे क्षेत्र की घटना है?
9. कौन से मुनि ने आचार्य भिक्षु से कहा– 'हिंगुल से पात्र नहीं रंगने चाहिए'?
10. आचार्य भिक्षु ने किसको लक्ष्य बनाकर कहा – 'साधुओं को रात्रि में पानी पीना नहीं है'?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें

11. आचार्य भिक्षु की जागृतप्रज्ञा ने इस .... को स्वीकार नहीं किया।
12. विभाजन की .... स्वार्थ की अभिप्रेरणा है।
13. अगस्त्य ऋषि ने तीन .... में पूरे समुद्र को समाहित कर लिया।
14. आचार्य भिक्षु .... तत्त्ववेत्ता थे।
15. नेतृत्व के तीन रूप हो सकते हैं – नैसर्गिक, अर्जित और .... ।
16. आचार्य भिक्षु की धर्मक्रान्ति तेरापंथ नाम से इतिहास का एक .... दस्तावेज बन गई।
17. नेतृत्व की इस .... पर वे शत–प्रतिशत खरे उतरे।
18. .... के सन्दर्भ में शिथिलता की बात उन्हें स्वीकार्य नहीं थी।
19. साधु चादर, चोलपट्टा आदि उपकरण लेते हैं तो .... स्वयं अपने हाथ से उसका माप करते हैं।
20. .... और चन्द्रभाणजी – इन दो साधुओं का आचार्य भिक्षु ने संघ से संबंध–विच्छेद कर दिया।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें संयोजिका श्रीमती निर्मला चण्डालिया मो. 9819418492

Email : nirmalachandaliya@gmail.com

प्रविष्टि भेजने की अन्तिम तिथि : 20 जून 2023

Google Form Link : https://forms.gle/wexUkZ6tbewoTvzi7 (Click here to go to Google Form)

मई 2023 प्रश्नोत्तरी के सही उत्तर

01. टालोकर	02. लोकतंत्रीय	03. बन्धन	04. व्यवहारनय	05. विनीत
06. आत्मानुशासन	07. मोक्ष	08. संघबद्ध	09. मेधावी	10. दर्शनशास्त्र
11. मूर्धन्य	12. संवर	13. सापेक्ष	14. अहंकार	15. सामयिक
16. मुक्ति	17. विकास	18. विज्ञान	19. चारित्रमोह	20. संगठन

मई 2023 प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

1. करुणा मालू, धुबड़ी	2. लीना गोयल, पंजाब	3. अल्का पटवारी, मुंबई
4. स्नेहलता कोठारी, चेन्नई	5. प्रीति भंसाली, दिल्ली	6. श्रुति सिंघी, साउथ कोलकता
7. रंजिता मरोठी, फारबिसगंज	8. प्रेम देवी जैन, तिरुप्पुर	9. निशा देवी बैद, दलखोला
	10. बिन्दु छाजेड, गंगाशहर	

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को
प्रदत्त सहयोग एवं प्रेरणा से प्राप्त अनुदान हेतु हार्दिक आभार

₹21,000	तेरापंथ महिला मंडल, कामरेज
₹11,000	स्व. 'श्राविका गौरव' श्रीमती सौभाग देवी बैद की प्रथम वार्षिक पुण्य तिथि 16 मई 2023 पर स्मरण सहित कान्ता–चन्द्रभान सिंघी (पुत्री–दामाद) एवं मुदित–रिचिका सिंघी (दौहित्र–दौहित्रवधू)

परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
का राष्ट्रीय महिला अधिवेशन
7-8-9 अक्टूबर 2023 (मुंबई में)

आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा
महिला राष्ट्रीय अधिवेशन आगामी 7–8–9 अक्टूबर 2023 को समायोजित है।

शाखा मंडल के ध्यानार्थ :

- छोटे शाखा मंडल से अधिकतम 4 सदस्य और बडे शाखा मंडल से अधिकतम 6 सदस्य संभागी बन सकेंगे।
- शाखा मंडल अध्यक्ष, मंत्री एवं पदाधिकारियों को ही सम्मिलित होने हेतु प्राथमिकता दें।
- पंजीकरण शुल्क मात्र ₹1100 प्रति संभागी है।
- संभागी 7 अक्टूबर 2023 को प्रातः 10 बजे तक पहुंचने का लक्ष्य रखें।
- पंजीकरण प्रातः 9 बजे से मध्यान्ह 1 बजे तक रहेगा।
- संभागी अपने क्षेत्र का मान्यता पत्र अवश्य साथ लेकर पधारें।
- 9 अक्टूबर 2023 को मध्यान्ह भोजन पश्चात् संभागी प्रस्थान कर सकते हैं।
- विस्तृत जानकारी यथाशीघ्र संप्रेषित की जाएगी।

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राज.) 341306

मधु देरासरिया
कृष एन्क्लेव
F/102, सिटीलाइट
सूरत 395 007. (गुजरात)
मो. 9427133069
Email : madhujain312@gmail.com
महामंत्री कार्यालय

नारीलोक
देखने हेतु
Touch to open
www.abtmm.org
Touch to open
www.facebook.com/abtmmjain/
Touch to open
https://bit.ly/abtmmyoutube

रंजु लुणिया
लुणिया मार्केटिंग प्रा. लि.
बड़ा बाजार, छेरा बस स्टॉप के पास
शिलोंग 793 001. (मेघालय)
मो. 9436103330
Email: lmplshillong@gmail.com
कोषाध्यक्ष कार्यालय